



SHELTER

SHELTER:

Shelter is the place where animal and human lives. Shelter provides protection from weather and any kind of danger. It provides the place where animal and human can rest safely and carry their usual developmental activities. Shelter also provides the place for privacy and facilities for storing the belongings.

Type of shelter:

1. Permanent Shelter: These are the places where human or animal lives for very longer duration and spend most of its time e.g. houses, caves, nest of birds etc.

2. Temporary Shelter: These are the place where animals and humans live only for short duration and for any specific purpose. e.g. bus shelters house boats, migratory birds nest at different place, tent houses, caravan, shelter home etc.

आश्रय:

आश्रय वह स्थान है जहाँ पशु और मानव रहते हैं। शेल्टर मौसम और किसी भी तरह के खतरों से सुरक्षा प्रदान करता है। यह उस स्थान को प्रदान करता है जहाँ पशु और मानव सुरक्षित रूप से आराम कर सकते हैं और अपनी सामान्य विकास गतिविधियों को अंजाम दे सकते हैं। शेल्टर सामानों को संग्रहीत करने के लिए गोपनीयता और सुविधाओं के लिए जगह भी प्रदान करता है।

आश्रय के प्रकार:

1. स्थायी आश्रय: ये वे स्थान हैं जहाँ मानव या पशु बहुत अधिक समय तक रहते हैं और अपना अधिकांश समय उदा करते हैं। घर, गुफाएँ, पक्षियों का घोंसला आदि।

2. अस्थायी आश्रय: ये वे स्थान हैं जहाँ पशु और मनुष्य केवल अल्प अवधि और किसी विशिष्ट उद्देश्य के लिए रहते हैं। जैसे बस शेल्टर हाउस बोट, विभिन्न स्थानों पर प्रवासी पक्षी घोंसला, टेंट हाउस, कारवां, आश्रय गृह आदि।

स्थायी आश्रयः



अस्थाई आश्रयः



Animals and Their Shelter:

- **Animals live on land and forests:** Cow, dog, donkey, horse, lion, elephant, deer, rhinoceros, peacock.
- **Animals live on tree:** Monkey, birds, sloth, apes, and birds.
- **Animals live in the burrows:** Rat, snake, ant, rabbits, earthworms, and scorpion.
- **Animals live both on land and water:** Snake, crocodile etc.

Birds and Their Shelter:

- **Indian Robin:** It makes its nest on the top of tree with grass, soft twigs, roots, wool, hair and cotton wool. It lays its eggs between the stone.
- **Koel:** It does not make its nest. It gives eggs in the nest of crow and crow hatches them with its own egg.
- **Crow:** Crow makes its nest high up on a tree and it makes its nest using wire, wood, grass and twigs.

पशु और उनके आश्रय:

- **जानवर जमीन और जंगलों पर रहते हैं:** गाय, कुत्ता, गधा, घोड़ा, शेर, हाथी, प्रिय, गैंडा, मोर।
- **जानवर पेड़ पर रहते हैं:** बंदर, पक्षी, आलस, वानर और पक्षी।
- **जानवर बिल में रहते हैं:** चूहा, साँप, चींटी, खरगोश, केंचुए और बिच्छू।
- **जानवर जमीन और पानी दोनों पर रहते हैं:** साँप, मगरमच्छ आदि।

पक्षी और उनके आश्रय:

- **भारतीय रॉबिन:** यह घास, मुलायम टहनियों, जड़ों, ऊन, बालों और रूई के साथ पेड़ के ऊपर अपना घोंसला बनाता है। यह पत्थर के बीच अपने अंडे देता है।
- **कोयल:** यह अपना घोंसला नहीं बनाती है। यह कौए के घोंसले में अंडे देता है और कौवा अपने अंडे से उन्हें काटता है।
- **कौआ:** कौआ अपना घोंसला एक पेड़ पर ऊंचा बनाता है और तार, लकड़ी, घास और टहनियों का उपयोग करके अपना घोंसला बनाता है।

Indian Robin



- **Sparrow and Pigeon:** These birds make their nest in the buildings usually. On the top of cupboard, behind a mirror, on a ventilator.
- **Tailor Bird:** It makes its nest by weaving and stitching the leaves. It uses its sharp beak to stitch the leaves on a bush. It lays eggs in the fold of a leaf that it has made.
- **Barbet:** Barbet or coopersmith makes its nest in a hole or in a tree trunk.
- **Dove:** The dove birds make its nest among the thorn of a cactus plant or in a mehendi hedge.
- **Sun Bird:** It makes a nest that hangs from the branches of a small tree or bush. Nest is made with hair, grass, thin twigs etc.
- **Weaver Bird:** Male weaver birds make its nest for the female. It makes beautifully woven nest for female to lay egg.

- गौरैया और कबूतर:** ये पक्षी आमतौर पर इमारतों में अपना घोंसला बनाते हैं। एक वेंटिलेटर पर, दर्पण के पीछे, अलमारी के शीर्ष पर।
- **दर्जी पक्षी:** यह पत्तियों की बुनाई और सिलाई करके अपना घोंसला बनाता है। यह एक झाड़ी पर पत्तियों को सिलाई करने के लिए अपनी तेज चोंच का उपयोग करता है। यह एक पत्ती की तह में अंडे देता है जिसे उसने बनाया है।
 - **बारबेट:** बारबेट या कॉपर्समिथ अपना घोंसला एक छेद या एक पेड़ के तने में बनाता है।
 - **कबूतर:** कबूतर पक्षी कैक्टस के पौधे या कांटे मेंहदी में कांटे के बीच अपना घोंसला बनाते हैं।
 - **सन बर्ड:** यह एक घोंसला बनाता है जो एक छोटे पेड़ या झाड़ी की शाखाओं से लटका होता है। घोंसला बालों, घास, पतली टहनियों आदि से बनाया जाता है।
 - **वीवर बर्ड:** नर वीवर पक्षी मादा के लिए अपना घोंसला बनाते हैं। यह अंडे देने के लिए मादा के लिए खूबसूरती से बुना हुआ घोंसला बनाता है।

गौरैया और कबूतर



Tailor Bird



Sun Bird



Weaver Bird



Insects and Their Living Habits:

Insects	Shelter	Living Habits
Spider	Web	Alone
Termites	Tree – trunk or burrows	Group
Ants	Burrows or crawls on land	Group
Honeybee	Beehive	Group
Earthworm	Burrow in soil	Group
Scorpion	Burrow in soil	Group

Human Shelter:

Shelter of human is called house. House can be of two different types:

- **Kutcha house** are made up of wood, mud, straw etc. e.g. hut.
- **Pucca house** are made up of bricks, cement, sand, iron, wood and steel. e.g. apartments, flats, bungalow etc.

Various factors play an important role in deciding the choice shelter and some of these factors are following

- **Location and Geography of Area:** Different style of houses is found in desert, hilly area plains etc.
- **Environmental Condition:** Rainfall, temperature season like summer, winter etc. These factors decide the choice of house in specific area.
- **Availability of Raw Material in Local Area and Economic Status of Individual:** Raw materials which are easily and economically available are preferred material for construction of house. Economic status of individual also decides the type of house he can afford.

मानव आश्रय:

मानव के आश्रय को घर कहा जाता है। घर दो अलग-अलग प्रकार के हो सकते हैं:

- **कच्चा घर लकड़ी, मिट्टी, भूसे आदि से बना होता है। झोपड़ी।**
- **पक्का घर ईंटों, सीमेंट, रेत, लोहे, लकड़ी और स्टील से बना है। जैसे अपार्टमेंट, फ्लैट, बंगला आदि।**

पसंद को आश्रय देने में विभिन्न कारक महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं और इनमें से कुछ कारक निम्नलिखित हैं

- **स्थान और क्षेत्र का भूगोल:** घरों की अलग शैली रेगिस्तान, पहाड़ी क्षेत्र के मैदानों आदि में पाई जाती है।
- **पर्यावरणीय स्थिति:** वर्षा, तापमान का मौसम जैसे गर्मी, सर्दी आदि। ये कारक विशिष्ट क्षेत्र में घर की पसंद तय करते हैं।
- **स्थानीय क्षेत्र में कच्चे माल की उपलब्धता और व्यक्ति की आर्थिक स्थिति:** कच्चे माल जो आसानी से और आर्थिक रूप से उपलब्ध हैं, घर के निर्माण के लिए पसंदीदा सामग्री हैं। व्यक्ति की आर्थिक स्थिति भी तय करती है कि वह किस प्रकार का घर खरीद सकता है।

Specific Houses in Specific Area:

1. House made up of Mud:

- These houses are found in hot deserts of Rajasthan and in villages.
- These houses help in better adapting to excessive heat, mud wall of these houses are made thick so that heat does not crosses it.
- Roots are made up of fodder and bushes, wood of Accacia (kikar) is used in roof in order to protect roof from insects.
- These houses are painted with mud and cow dung to protect the mud from breaking and for protection against the insects.

2. House made up of Wood and Bamboo:

- These houses are made in those areas where there is very heavy rain. These bamboo and wood houses are 10-12 feet above the ground, so that it remains unaffected from flood.
- These houses are found in Assam and in some other parts of North – East.

विशिष्ट क्षेत्र में विशिष्ट मकान:

1. मिट्टी से बना घर:

- ये घर राजस्थान के गर्म रेगिस्तानों और गाँवों में पाए जाते हैं।
- ये घर अत्यधिक गर्मी को बेहतर ढंग से पालने में मदद करते हैं, इन घरों की मिट्टी की दीवार मोटी बनाई जाती है ताकि गर्मी इसे पार न करे।
- जड़ें खाने वाले और झाड़ियों से बनी होती हैं, छत से निकलने वाले कीड़ों (Accaria) (कीकर) का इस्तेमाल छत को कीड़ों से बचाने के लिए किया जाता है।
- इन मकानों को कीचड़ से बचाने के लिए और कीड़ों से सुरक्षा के लिए मिट्टी और गोबर से रंगा जाता है।

2. लकड़ी और बांस से बना घर:

- ये घर उन इलाकों में बनाए जाते हैं जहां बहुत तेज बारिश होती है। ये बांस और लकड़ी के घर जमीन से 10-12 फीट ऊपर हैं, ताकि यह बाढ़ से अप्रभावित रहे।
- ये घर असम और उत्तर - पूर्व के कुछ अन्य भागों में पाए जाते हैं।

1. मिट्टी से बना घर:



2. लकड़ी और बांस से बना घर:



3. House made up of Stone:

Stone houses are found in cold desert of Ladakh and other hilly desert areas.

- The walls are coated with a thick layer of mud and lime. Thick tree may be used to make roof of first floor strong and wooden floor, wooden ceiling are also found in the houses.
- In two story building of Ladakh, on the ground floor necessary things and animals are kept and on the first floor people live. Ground floor does not have windows.
- In intense cold people can shift to the ground floor. On the roof of the house, vegetables and fruits are kept for dry



3. पत्थर से बना घर:

पत्थर के घर लद्दाख और अन्य पहाड़ी रेगिस्तानी इलाकों के ठंडे रेगिस्तान में पाए जाते हैं।

- दीवारों को मिट्टी और चूने की मोटी परत के साथ लेपित किया जाता है। फर्स्ट फ्लोर की छत को मजबूत बनाने के लिए मोटे पेड़ का इस्तेमाल किया जा सकता है और घरों में लकड़ी की छत भी पाई जाती है।
- लद्दाख के दो मंजिला भवन में, भूतल पर आवश्यक चीजें और जानवर रखे गए हैं और पहली मंजिल पर लोग रहते हैं। ग्राउंड फ्लोर में खिड़कियां नहीं हैं।
- तीव्र ठंड में लोग भूतल में शिफ्ट हो सकते हैं। घर की छत पर, सब्जियों और फलों को सुखाने के लिए रखा जाता है।

4. House made up of Stone and Wood:

- These houses are found in hilly areas where there is good amount of rainfall and snowfall.
 - Roof of these houses are sloping on the sides so that snow and rain can fall easily on the ground.
- These houses may be made up of stone, bricks and woods.
- These houses can be found in Srinagar, Manali and other areas of Kashmir valley. Houses in Srinagar display beautiful carving of wood on the ceiling of house; door and windows have beautiful

4. पत्थर और लकड़ी से बना घर:

- ये घर पहाड़ी क्षेत्रों में पाए जाते हैं जहाँ अच्छी वर्षा और बर्फबारी होती है।
- इन घरों की छत किनारों पर ढलान लिए हुए हैं ताकि बर्फ और बारिश जमीन पर आसानी से गिर सकें। ये घर पत्थर, ईंटों और लकड़ियों से बने हो सकते हैं।
- ये घर श्रीनगर, मनाली और कश्मीर घाटी के अन्य क्षेत्रों में पाए जा सकते हैं। श्रीनगर में मकान घर की छत पर लकड़ी की सुंदर नक्काशी प्रदर्शित करते हैं; दरवाजे और खिड़कियों में मेहराब के रूप में खूबसूरत **मेहराब** हैं।



5. House Boat:

- House boats are made up of wood and are present in water. These houses can be up to 80 feet long and 8-9 feet wide.
- These house boats have beautiful wooden carving on it and these carving are known as **khatamband**. These houseboats are found in Kashmir and Kerala.

5. हाउस बोट:

- हाउस बोट लकड़ी से बनी होती हैं और पानी में मौजूद होती हैं। ये घर 80 फीट तक लंबे और 8-9 फीट चौड़े हो सकते हैं।
- इन हाउस बोट्स पर लकड़ी की सुंदर नक्काशी की गई है और इन नक्काशी को **खंबामंड** के नाम से जाना जाता है। ये हाउसबोट कश्मीर और केरल में पाए जाते हैं।



6. Fort and Palace:

- These buildings were made in earlier times by kings and emperor.
- These buildings were very big and have large number of rooms.
- Walls and ceiling of these buildings have design and motif on it.
- **Donga:** Donga are house in water, house is present on the boat, with different rooms in it. It can be seen in Dal lake Kashmir.
- **Igloo:** Igloo is found in very cold region. These houses are made up of ice blocks. Shape of Igloo is oval shaped and entry door of Igloo is very small. Eskimos live in the Igloo.
- **Tent House:** Tent house offers a temporary shelter; tent house can be made up of plastic and clothes. Mountaineers used such houses and they make it using two layer plastics. Changpa tribe of Ladakh used yak hair woven strips to make big coned shaped tent. They call their tent **Rebo**.

6. किला और महल:

- ये इमारतें पहले के समय में राजाओं और बादशाहों द्वारा बनाई गई थीं।
- ये इमारतें बहुत बड़ी थीं और इनमें बड़ी संख्या में कमरे थे।
- इन इमारतों की दीवारों और छत पर डिजाइन और आकृति है।
- **डोंगा:** डोंगा पानी में घर है, घर नाव पर मौजूद है, जिसमें अलग-अलग कमरे हैं। इसे डल झील कश्मीर में देखा जा सकता है।
- **इग्लू:** इग्लू बहुत ठंडे क्षेत्र में पाया जाता है। ये घर बर्फ के ब्लॉक से बने हैं। इग्लू का आकार अंडाकार है और इग्लू का प्रवेश द्वार बहुत छोटा है। एस्किमो इग्लू में रहते हैं।
- **टेंट हाउस:** टेंट हाउस एक अस्थायी आश्रय प्रदान करता है; टेंट हाउस प्लास्टिक और कपड़े से बना हो सकता है। पर्वतारोही ऐसे घरों का इस्तेमाल करते थे और वे इसे दो परत वाले प्लास्टिक का उपयोग करके बनाते हैं। लद्दाख की चांगपा जनजाति ने बड़े शंकु के आकार के तम्बू बनाने के लिए याक के बाल बुने हुए स्ट्रिप्स का इस्तेमाल किया। वे अपने तम्बू **रेबो** को बुलाते हैं।

Fort



Donga:



Igloo



Tent House

